लेखक Edward Hughes
ब्याख्याकर Byron Unger; Lazarus

अनुवादक सुरेश मसीह
अनुकूलित M. Maillot; Tammy S.

कहानी 3 से 60

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञापत्र: आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

सुरेश मसीह

Bhojpuri

नूह आ महाप्रलय

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से
ई कहानी लीहल गइल बा

उत्पति ६-१०

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

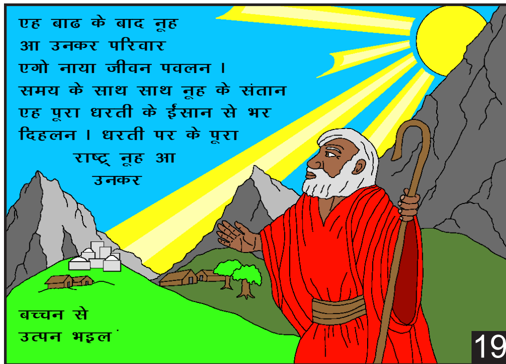

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा यीशु के घरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ बात कहीं : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउअ ा हमरा जीवन मे आ जाईं अउर हमरा पाप के क्षमा दीहीं ताकि हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह सकीं । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !

ईश्वर नूह के चेतावनी दिहलन कि महाप्रलय आई आ पूरा पृथ्वी के ढक दीही । “लकडी के नाव बनाव, एतना बड नाव कि तोहार पूरा परिवार आ ढेर सारा जीव-जन्तु ओह में समा सके ।”
3
नूह के आदेश मिलल । ईश्वर नूह के उचित निर्देश दिहलन । नूह अपना काम में व्यस्त हो गईलन !
4
लोग नूह के मजाक उडावत रहलन, नूह उ लोगन के बतलावत रहलन की उ कांहें खातीर जहाज
बना रहल बाडन । नूह अपना काम में ब्यस्त रहलन । उ लोगन के ई वर के बारे में भी बतलावत रहलन बाकि केहूँ उनकर बात ना सुनल ।
5
नूह बडा विश्वासी रहलन । पहिले कभी भी बारिश ना पडल रहे फिर भी नूह ईश्वर पर विश्वास कईलन । तुरन्त जहाज सर-समान रखे खातिर तैयार रहें ।
6
अब सबसे पहिले जानवर, ईश्वर सात प्रजाति आ दूगो दूसर प्रजाति के नाव में ले जाये के कहलन । छोट बड पक्षी, छोट से छोट आ बड से बड चौपाया, सब नाव में चढे खातिर नाव के तरफ जाये लगले ।
7
जब नूह जानवरन के नाव में चढावत रहलन, शायद, लोग नूह के भला-बुरा बोलत रहलन । बाकि उ लोग ईश्वर के खिलाफ पाप कईल ना छोडलन । नाव में घुसे खातिर भी ना पूछलन ।
8
अन्त में, सब जानवर आ चिडिया नाव में चढ गईले ।
“नाव में तुहु बा जा” ईश्वर नूह के बोलवलन “तु आ तोहार पूरा परिवार भी।” नूह, उनकर पत्नि, उनकर तीनो बेटा आ उनकन लोग के पत्नि नाव में चढ गईली जा । तब ईश्वर नाव क दरवाजा बन्द कर दिहलन ।
9
तब बारिश शुरु भइल । चालीस दिन आ चालीस रात के भारी बारिश पूरा धरती के ढक दिहलस ।
10
बाढ के पानी गॉव आ शहर सब पर पडल । जब बारिश रुक गईल, पहाड भी पानी के भीतर चल गईल रहल । सांस लेवे वाला हर चीज मर गईल ।
11
जैसे जैसे बाढ के पानी बढल, नाव ओकरा उपर तैरे लागल । शायद अन्दर बहुत अन्धकार रहलहोइ, शायद उबड खावड आ ना त डरावना रहल होई । चाहे जईान भी होखे उ जहाज नोवा के बाढ के समय शरण दिहलस ।
12
बाढ के पॉंच महिना के बाद, ईश्वर, पानी सुखावे वाला हवा भेजलन । धीरे - धीरे उ जहाज अरात नामके पहाड पर आ के लाग गईल । जब पानी घटत रहे, नूह जहाज में अउर चालीस दिन रहलन ।
13
नूह जहाज के दरवाजा से एगो कौवा आ एगो कबुतर बाहर भेजलन । जब ओह लो के सुखल आ साफ आराम करे के ना मिलल, कबुतर नूह के पास वापस आ गईल । एक सप्ताह के बाद नूह एकबार फिर प्रयास कईलन ।
14
कबुतर अपना चोच मे जैतून के पत्ता लेके वापस आ गईल । अगला सप्ताह नूह जान गईलन कि पृथ्वी सुख गईल बा काहे कि कबुतर वापस ना आइल ।
15
इश्वर नूह से कहलन कि इहे समय बा कि तु नाव में से उतर । नूह आ उनकर परिवार मिल के सब जानवर के नाव से बाहर निकललन ।
16
नूह केतना एहसानमंद भईल होइहनं ! उ एगो बेदी बनवलन आ ईयवर के पूजा कईलन काहे कि ईश्वर उनका के आ उनका पूरा परिवार के एह डरावना बाढ के बचवलन ।
17
ईश्वर नूह से एगो अद्‌भूत वादा कइलन । इंसान के नाश करे खातिर उ कबो दूबारा बाढ ना भेजिहन ।
18